अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : दसवीं - जैन सिद्धान्त प्रभाकर उत्तरार्द्ध (परीक्षा 21 जुलाई, 2019)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) किसके बीतने पर वृक्ष का पत्ता गिर जाता है-

(क) दिन समूह (ख) रात्रि समूह

(ग) पक्ष समूह (घ) मास समूह ( )

(b) 'विहुणाहि' शब्द का अर्थ है-

(क) झाड़ दे (ख) उतार दे

(ग) प्राप्त करें (घ) जाने दे ( )

(c) सुख-विपाक सूत्र के तीसरे अध्ययन का नाम है-

(क) जिनदास (ख) महाबल

(ग) सुजात (घ) वरदत्त ( )

(d) सुदत्त अणगार गोचरी के लिए कब निकले-

(क) प्रथम प्रहर (ख) द्वितीय प्रहर

(ग) चतुर्थ प्रहर (घ) तृतीय प्रहर ( )

(e) नरक में कितने प्रकार की वेदनाएँ भोगनी पड़ती हैं-

(क) 3 (ख) 2

(ग) 4 (घ) 5 ( )

(f) व्यन्तरों की उत्कृष्ट स्थिति होती है-

(क) 2 पल्योपम (ख) 3 पल्योपम

(ग) 1 पल्योपम (घ) एक सागर ( )

(g) वर्तना, परिणाम, क्रिया आदि किसके उपकार हैं-

(क) जीव (ख) काल

(ग) आकाश (घ) पुद्गल ( )

(h) किस थोकड़े में उत्पत्ति के प्रथम समय में चक्षुदर्शन माना है-

(क) जीव पज्जवा (ख) अजीव पज्जवा

(ग) उपयोग द्वार (घ) लघु दण्डक ( )

(i) पृथ्वीकाय के अलावे होते हैं-

(क) 25 (ख) 50

(ग) 100 (घ) 75 ( )

(j) जैन दर्शन कैसा दर्शन है-

(क) आत्मवादी (ख) क्रियावादी

(ग) कर्मवादी (घ) अक्रियावादी ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) द्वीन्द्रिय काय में गया हुआ जीव असंख्यात काल तक वहाँ रह सकता है। ( )

(b) अदीनशत्रु राजा कोणिक के समान भगवान के दर्शनार्थ गया। ( )

(c) एक बार आराधक बनने के बाद जीव विराधक बन सकता है। ( )

(d) सात नारकी के कुल आन्तरे 49 हैं। ( )

(e) प्राकृत भाषा में 8 कारक होते हैं। ( )

(f) बेइन्द्रिय,बेइन्द्रिय से अवगाहना की अपेक्षा चतुस्थानपतित है। ( )

(g) जघन्य अवधि दर्शन वाला तिर्यंच पंचेन्द्रिय जघन्य अवधिदर्शन वाले तिर्यंच पंचेन्द्रिय से उपयोग की अपेक्षा चतुस्थानपतित है। ( )

(h) युगलिक मनुष्यों में अवधिज्ञान नहीं होता है। ( )

(i) ज्ञानी के ज्ञान का सार यही है कि वह ममता न रखे। ( )

(j) उत्कृष्ट अवगाहना वाले मनुष्य की स्थिति एकस्थानपतित होती है। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से सही जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **10x1 = (10)**

(a)	अकलेवरसेणि	(क) 20 इन्द्र	.....
(b)	ब्रह्मचर्य पौषध	(ख) उद्यान	.....
(c)	भवनपति	(ग) वररूचि	.....
(d)	मनुष्य	(घ) क्षपक क्षेणि	.....
(e)	2138	(च) कुशील सेवन का त्याग	.....
(f)	तिर्यंच पंचेन्द्रिय	(छ) असंख्यात	.....
(g)	अनेकान्तवाद	(ज) 9 उपयोग	.....
(h)	आत्मप्रदेश	(झ) आधार शिला	.....
(i)	प्राकृत प्रकाश	(य) 98 अलावे	.....
(j)	पुष्पकरंडक	(र) कुल अलावे	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मुझमें उत्पन्न हुआ जीव अधिकतम सात या आठ जन्म तक वहाँ रहता है। .....

(b) सुबाहु कुमार का विवाह मेरी तरह हुआ था। .....

(c) सुख-विपाक सूत्र के आधार पर मेरे तीन भेद हैं। .....

(d) हम नित्य, अवस्थित और अरूपी हैं। .....

(e) जीव के प्रदेश मेरे समान संकोच विस्तार वाले हैं। .....

(f) मेरे शासन में प्राकृत भाषा को राजभाषा होने का गौरव प्राप्त था। .....

(g) मेरी उत्कृष्ट स्थिति 22 हजार वर्ष है। .....

(h) मैं आत्मप्रदेशी को लोकव्यापी बना देता हूँ। .....

(i) मेरी उत्कृष्ट स्थिति पल्योपम का चतुर्थ भाग है। .....

(j) हमारी जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति 8 सागरोपम है। .....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए:- **12x2 = (24)**

(a) सारइयं का अर्थ लिखिए ?

.....

.....

.....

(b) भवन व आवास में क्या अन्तर है ?

.....

.....

.....

(c) 9 लौकान्तिक देवों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

(d) 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्।' इस सूत्र का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(e) 'तद्भावाव्ययं नित्यम्।' इस सूत्र का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(f) हिन्दी अनुवाद करो-

1. अहं उज्जाणं गच्छामि। .....

.....

2. वयं जिणं नमामो। .....

.....

(g) ''गाढा य विवाग कम्मुणो।'' को समझाइये।

.....

.....

.....

(h) प्राकृत वर्णमाला में कितने व कौनसे स्वर होते हैं ?

.....

.....

.....

(i) संथारामरण व आत्म-हत्या में मुख्य अन्तर क्या है ?

.....

.....

.....

(j) संख्यात गुण हीन-अधिक अवगाहना को उदाहरण से समझाइए।

.....

.....

.....

(k) जीव पज्जवा के थोकड़े में द्रव्य और प्रदेश की अपेक्षा तुल्य क्यों कहा गया है ?

.....

.....

.....

(l) उत्कृष्ट स्थिति वाले मनुष्य की उत्कृष्ट स्थिति वाले मनुष्य से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **12x3 = (36)**

(a) **एवं भवसंसारे, संसरइ सुहासुहेहिं कम्मेहिं।**

जीवो पमाय बहुलो, समयं गोयम। मा पमायए।। इस गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **वोछिंद सिणेहमप्पणो, कुमुयं सारइयं व पाणियं।**

से सव्वसिणेहवज्जिए, समयं गोयम। मा पमायए।। इस गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **बुद्धस्सं निसम्म भासियं, सुकहियमट्ठपओवसुद्धं।**

रागं दोसं च छिंदिया, सिद्धिगइ गए गोयमे।। इस गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.(d) **निम्न की उत्कृष्ट कायस्थिति लिखिए-**

1. अप्काय .....

.....

2. चउरिन्द्रिय .....

.....

3. वनस्पतिकाय .....

.....

(e) सुदत्त अणगार को आते हुए देखकर सुमुख गाथापति ने क्या किया ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(f) ''द्विर्द्विर्विष्कम्भा पूर्वपूर्व प्रतिक्षेपिणो वलयाकृतय।'' सूत्र का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(g) 12 देवलोकों के देव किस प्रकार विषय सुख का सेवन करते हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(h) तिर्यञ्च कौन हैं और वे कहाँ रहते हैं ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(i) ''भेदसंघाताभ्यां चाक्षुषाः।'' इस सूत्र का अभिप्राय समझाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(j) जघन्य स्थिति वाले पृथ्वीकाय के जीव की जघन्य स्थिति वाले पृथ्वीकाय के जीव से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(k) अनेकान्तवाद का फल क्या होता है ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(l) 'लह' धातु के वर्तमान काल के रूप लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....